

खड़े हुये सब लोग धरा पर  
 देने को सम्मान  
 मौलाने देड़ा है अभियान  
 भारी समय हुआ कलयुग का  
 रोता सकल जहान  
 मौलाने देड़ा है अभियान

आया समय बहुत ही नंगा  
 हर पल पनपे शंका-कुशंका  
 स्वारथ में सब झुगड़ा दंगा  
 रोज बहे यहाँ खून की गंगा  
 रो उठी है मरघट अब तो  
 नहीं किसी में शान

मौलाने देड़ा है अभियान

भारी समय - - - - -

खड़े हुये - - - - -

सेवक कुरी का मतवाला  
 कितने बार हुआ मुँह काला  
 सत्य नहीं कहीं बिकने वाला  
 जनता का खाली रखवाला  
 झूठ फरेब में सबसे आगे  
 रहते हैं गुणवान

मौत ने देड़ा है अभियान

भारी समय- ----

खड़े हुये सब- ----

भूखा भ्रष्ट-न-मानने वाला  
 मिलके करता- बड़े घोटाला  
 कितने हवाला- कितने दिवाला  
 सपने में भी धंधा काला  
 खेचा लानी मची हुई है  
 शमे दुष्ट कमान

मौत ने देड़ा है अभियान

भारी समय- ----

खड़े हुये सब- ----



असत्, अधर्मी अरु व्याभिचारी  
 माया मय से हैं बस चारी  
 भाई बने, मिल अत्याचारी  
 आतंकी बन बाजी मारी  
 हिंसक बन के हत्या करले  
 ये खूनी शैतान

मौत ने देड़ा है अभियान

भारी समय-----

खड़े हुये सब-----

नित-नये आयुध-निर्मित होते  
 रुक हँसे-सब मिल कर-रोते  
 जहर हलाहल-रोज बनाते  
 अपनी धरती माँ को पिलाते  
 बारूदों के जाल बीच में  
 फसी है तेरी जान

मौत ने देड़ा है अभियान

भारी समय-----

खड़े हुये सब-----



अपनों ने मिल-जुहर है घोला  
 धरती-अम्बर का-दिल डोला  
 मौत ने भी दरवाजा खोला  
 लाशों का नित लगेगा मेला  
 आने वाली कठिन घड़ी के  
 बनते क्यों अगवान  
 मौत ने देड़ा है अभियान  
 भारी समय-----  
 खड़े हुये सब-----

देखो शक्ति बाधम्बर की  
 अम्बर-धरा, महासागर की  
 सुन "श्रीबाबा श्री" सबने, मिह ठानी  
 खूब करी जग ने मनमानी  
 भूकम्पों और लूफानों से  
 रहे ना नाम निशान  
 मौत ने देड़ा है अभियान  
 भारी समय-----  
 खड़े हुये सब-----